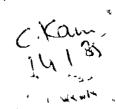


असाधारण EXTRAORDINARY

> भाग III—खण्ड 1 FART III—Section 1



प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं विल्ली, बुधवार, विसम्बर 5, 1984/अग्रहायरा 14, 1906 No. 33] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 5, 1984/AGRAHAYANA 14, 1906

> इस भाग में भिम्म पृष्ठ संख्या की भाती हैं जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके

> Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

आयकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] की धारा 269 घ (1) के आधीन सूचनाए कानपुर, 26 नवम्बर, 1984

निदेश न एम-682/84-85 — अत. मुझे थे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के आयोन सक्षम श्रीधिकारों को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी स॰ ''''हैं क्या जो पठाकपुरा सहारनपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय महारनपुर, में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आदीन नार्राख 29-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय को बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती

(1)

द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः भव युक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनु-सर्ग में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- डा. निलनेश कुमार,
 पुत्र स्व. डा. बुद्ध प्रकाश,
 मोती भवन,
 रानो बाजार,
 सहारनपुर, (अस्तरक)
- श्रो कोरेन्द्र कुमार जैन,
 पुत्र डा. रुप चन्द जैन,
 छत्ता जम्बूदास, सहारनपुर (अन्तरितो)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:——

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारिण्य से
 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील 30 की अविधि, जो भी अविधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
 व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण —: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट स्थित, पठानपुरा, जि. सहारनपुर

तारीख: 26-11-84

मोहर :

*जो लागृ २ हो उसे काट दीजिए।

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX (ACQUISITION RANGE)

NOTICES UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Kanpur, the 26th November, 1984

M-682/84-85.—Whereas, I J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No......situated at Pathakpur, Saharanpur (and

more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur, under registration No. 3014 dated 29-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said astrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Nalinesh Kumar Slo Late Dr. Both Prakash, Moti Bhawan, Rani Bazar, Saharanpur.

(Transferor)

2. Shri Virendra Kumar Jain S|\sigma Dr. Roop Chand Iain, Chatta Jambu Das, Saharanpui.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plots at Pathakpur Distt. Saharanpur.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable,

निवेश नं. एम-689/84-85---अतः मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं. 4216 से 4230 एवं 4237 से 4240 है तथा जो नानौना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय देववन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 28-3-84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मस्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय था किसी धन था अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री राम सिंह, पुत्र छण्जू,
 ति. पुराना बस स्टैंड,
 परगना हनपुर तह. देवबन्द,
 जि. सहारनपुर (अन्तरक)
- 2. श्री धर्मपाल व कंबर पाल सिंह य बन्द्रपाल लिह, सुपुत्र भरत सिंह राजपूत, ति. पर. रामपुर-देवबंद, जि. सहारनपुर, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारि ख से
45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी क्वकितयों पर
सूचना की तामील 30 की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी क्यकित के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं. 4216 से 4230 एवं 4237 से 4240 आदि स्थित ग्रा. नानौना,

पर. रामपुर तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो ताम् न हो उसे काट दीजिए।

being M-689|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, Competent Authority by the authorised Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 4216 to 4230 & 4237 to 4240 situated at Nanota, Deoband (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoband under registration No. 1283 dated 28-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer at pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ram Singh S/o Chajju & others; Nangots M-Afgane (Purana Bus Stand) Deo Band. (Transferor)
- Shri Dharampal Singh & Kunwarpal Singh & others, Par: Rampur-Deoband Distt. Saharanpur.

(Transfore e

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agriculture Land at Nanaual.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

नं. एम--691/84-85:--भ्रतः मुझे जे. पी. हिलोरी, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं. 93/1 है तथा जो रिथानो, मेरठ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 29-3-84 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पुर्द्धारित की गई है श्रौर मुझे यह विण्वास करने का कारण कि कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसेंके युग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से फ्रांधक है श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्सरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से यक्त श्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (ख) ऐसे किसी याय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-एर अधिनियम नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ

अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपान में मुक्रिधा के लिए

श्रतः श्रव उत्तर अधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के श्रधीन, निम्नालाखत व्याक्तयों श्रथीत् :--

- श्रो प्रदोप कुमार, सुपुत सन्तोप कुमार, प्रास मोहन, सुपुत्र ओम प्रकाश, आनल कुमार, सुपुत महेश चन्द्र, गढ़ रोड़, मेरठ (अन्तरक)
- श्रा सतेन्द्र कुमार अमित कुमार, नरेन्द्र कुमार, जैनेन्द्र कुमार, देवेन्द्र कुमार आदि, सुपुत्र शातल प्रसाद, सदर मेरठ (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उपत स्थ वर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्याक्त द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दो श्रीर पदीं, का जो श्रायकर श्रधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

93/1 स्थित रिथाना, मेरठ।

तारीख : 26-11-84

मोहर:

*जो लाग न हो उसे काट दीजिए।

M-691 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 93 1 situated at Rithan Meetut (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut, under registration No. 4374 dated 29-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and trans-

ferce (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income a sing from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby-initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Pradip Kumar S/o Santosh Kumar Girish Mohan S/o Om Prakash, Anil Kumar S/o Mahesh Chand R/o Gath Road, Meerut (Transferor)
- 2. Shri Satyandra Kumar Amit Nandan Kumar, Jainendra Kumar, Davendra Kumar, Rajendra Kumar, So. Shital Prasad Ro. Sadar Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

93/1 Situated at Rethani, Meerut.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable,

 मूल्य से कम के दुग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रार मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथा पुर्वाकत सम्पास का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स अधि है प्रन्तरह (प्रन्तरहो) स्रोर अन्तरती (अन्तरियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्यों से युक्त प्रन्तरण, लिखित में वास्तिक रूप में विश्वत नहीं हिया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरा के दायित्व में घमी करने या उराने बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आस या किसी धन या अन्य आस्त्रिया की जिन्हें भारतीय आपकर आधीनयम, 1922 (1922 की 11) या श्राथपण पांधिनियम, 1951 (1961 का 43) या धन-पण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रपाजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए

श्रतः, यब, युक्त अत्धिनित्य की धारा 260व के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधानयम की धारा 269व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों, श्रयीन्:--

- श्वा छाजूमल, सुपुत्र माहन लाल, 229, खपला मोहल्ला, सदर, मेरठ, (अन्तरक)
- श्रा श्राचनंद जैन, मुनुत्र मुरारा लाल सुनाल कुमार जैन, सुधार कुमार आदि सुपुत्र श्राचन्द, 664, ब्रह्मपुरो, मेरठ, (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीत्रत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करना हूं। उस्त सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :→-

- (१०) इस सूचना के राजपल मे प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की श्रवांध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवांध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस स्वता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो श्रायकर श्रार्थानयम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिमाधित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है। श्रनुसूची

224 नया न. 155 स्थित, बागपत गेट, मेरठ

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लाग्न हो उसे काट दीजिए।

M-695|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 224|155 situated at Baghpat Gate Mcerut (and more fully described in the schedule below has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut, under registration No. 3955 dated 23-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Chhajju Mal S/o Mohan Lal 229 Dhalbi Mohalla Sadar, Meerut. (Transferor)
- Shri Sri Chand Jain S/o Murari Lal Sunil Kumar Jain, Sudhir Kumar etc. S/o Sri Chand 664 Brah mapuri, Meorut. (Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the

date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

224 New No. 155 Situated at Baghpat Gate, Meerut.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

नं.ए**प** – 683/84-85. ---अतः म्**मे**, जे. पी. हिलोरी, आयकर आधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चास् 'उक्त आधनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं.'''' है तथा जो पठानपुरा सहारनपुर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्राधकारी के कार्यालय सह। रनपूर मे, रजिस्ट्रीकरण श्राध-†नयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृध्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का उचिस बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से घांधक है भन्तरक (भन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्यों से युक्त श्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भतः, श्रव, युक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269 गकी उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :—

 डा. निलनेश कुमार, सुपुत्र स्व. श्री बुध प्रकाश, मोती भवन, रानी बाजार, सहारतपुर, (अन्तरक) श्रीमर्ता अरुणा जैन, पत्नि बोरेन्द्र कुमार जैन, छत्ता जनुनादास, सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राद्योप :--

- (क) इस सूचन। के र.जपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविंश, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील 30 दिन की श्रविंध, को भी श्रविंध
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सुचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही शर्थ होगा जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट स्थित पठानपुरा, सहारनपुर ।

सारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागू र हो उसे काट दीजिए ।

M-683|84-85.—Whereas, I, J. P. being the Competent Authority authorised the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at Pathanpur, Saharanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur under registration No. dated 29-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reducation or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the urposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate procedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Dr. Nalinesh Kumar, S/o Late Sri Budh Prakash, Moti Bhawan, Rani Bazar, Saharanpur.

(Transferor)

2. Smt. Aruna Jain, W/o Sri Virendra Kumar Jain, Chatta Jambu Das, Saharanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land at Pathanpura, Distt. Saharanpur.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश ন. एम-684/84-85 .-- श्रतः जे. पी. हिस्रोरी, भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 खंके ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 रु० से श्रधिक है और जिसकी सं. 5638 हैं तथा जो प्रहलाद नगर, मेरठ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टी-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंधीन तारीख 31-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुख्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूरूय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, **ऐ**से दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से युक्त, भ्रन्तरण, लिखित में घास्तविक रूप से भिथत नहीं किया। गया है :---

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रमीन गर देने के अभारक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मुबिधा के ।लग्; श्रीर/या

(क) ऐसे तिसी भाव या किसी धन या भन्य आस्तियों की जिन्हें नारतीय भायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या आयव स्त्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ भन्नोरती द्वरा प्रस्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुत्रा के लिए।

श्रतः, श्रव, उक्त संधानियम की धारा 269ग्रंके श्रनुसरण में, में उक्त श्रीधनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नालिखन व्यक्तियों, श्रथीत् :--

 श्री अनूप सिंह, सुपुत्र किशन सिंह,
 276, सिविल लाइन्स,
 भेरठ सिटा,

(अन्तरक)

 श्रोमतो कमला ठाकुर, पत्नि श्रो हमपाल सिह आदि
 न्यू केदार नाथ भवन, मुरादाबाद,

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू । उक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी स्रक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से ियी व्यक्ति के बारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखन में रिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--हश्मे प्रमुक्त णब्दा ग्रांर पदा था, जा श्रायकर श्रीधितयम, 1961 (1961 वा 43) के श्रद्धाय 200 में परिशापित है, वही श्रर्थ होगा जा उस ग्रद्धाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट स्थित णोशा पार्क, कालोनो, (आर्य नगर), न्यु प्रह्लाद नगर, मेरठ ।

तारीखः : 26-11-84

माहर:

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

M-684|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act have

reason to believe that immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 5638 situated at Prahlad Nagar, Meerut (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registeration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 24372 dated 31-12-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrumnet of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concelment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Anup Singh, So Kisan Singh, 276, Civil Lines, Meerut City (Transferor)
- 2. Smt. Kamla Thakur, Wo Sri Haspal Singh & others; 26, New Kedar Nath Building, Muradabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazettee or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Sheasha Park Colony (Arya Nagar) New Prahlad Nagar, Meerut.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-703/84-85:--अतः मुझे, जे. पी. हिसोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे । सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 289ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मरुष 1,00,000/- २० से अधिक है और जिसकी सं. 212 है तथा जो सिविल लाइन्स, में स्थित है (और इसके उपायड़ अनुसूची में और पूर्ण इत्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिट्टी हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधी तारोख 30-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज र मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास भरने क। कारण है कि यशा विक्तिसम्पत्तिका अवित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्भारप्रियात से अधिक है अंतरक (अंतरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्टविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

अतः थब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधियनयम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- श्रीमतः ग्रांग गोयज, पित श्रांश चन्द्र गोयल, मकान नं. 31 फूनवांग कालोनो, मेरठ (अन्तरक)
- 2. श्रो राम निवास सुरुव मगरू लाल, 31, फूनबाग कालोबो, मेरठ (अन्सरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हिसबा किसो अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पंचवटो, 212, सिविल लाइन्स, मेरठ।

तारीख: 26-11-84

मोहर 🛭

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए ।

M-703 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value excoeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 212 situated Meerut Lines, (and more described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, under registration No. 399 at Delhi 30-3-1984 for an apparent consideration is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or ay money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acqvisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Smt. Shashi Goel W/o Srish Chand Goel R/o 31 Phool Bagh Colony Mecrut.

(Transferor)

2. Shri Ram Niwas S/o Mangoo Lal 31 Phool Bagh Colony, Meerut. (Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which; ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

Explanation: The terms and expressions used herein as re defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

212 Punchwati situated at Civil Lines, Moorut. Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-721/84-85 -अतः मुझे, जे. पी हिलोरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-से अधिक है और जिमको सं. ए 100 है तथा जो मास्त्री नगर गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन है),रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तः जन्यति का उचिन बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दश्यमान प्रशिक्त के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप्रपाया गया प्रतिका, निस्तलिखित छट्टेश्यों से युक्त अन्तरम, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरंण से हुई किस्ति भाषा की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

अतः अब युक्तं अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात —

- श्रो कृष्ण शुमार अग्रवाल, आफोसर्स फ्लैट नं. 10, मौलाना आजाद मेडिकल, दिल्लो (अन्तर्क)
- श्रा अगर नाथ सुपुत्र श्रा किशन लाल, एव श्रामतो सुमन गुप्ता, पत्नो श्रा बुजनन्दन गुप्ता,

212, गांधा नगर, गाजियाबाद (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे काई भो आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अबिधि, या तत्मम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन को अबिधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हातो हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (19.61 का 43) के अध्याय 20 क में परिमाषित है, वही अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मूची

प्लाट स्थित शास्त्रानगर, गाजियाबाद ।

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागू न हो उसे काट धीजिए।

M-721|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. A-100 situated at Sastri Nagar, Ghaziabad (and more

fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under Registration No. 20540 dated 7-3-1984 for an apparent, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer-or(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or ay money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Krishna Kumar Agrawal, Officers' Flat No. 10, Maulana Azad Medical, Delhi (Transferor)
- Shri Amar Nath S/o Sri Kishan Lal & Smt. Suman Gupta W/o Sri Brijaandan Gupta 212, Gandhi Nagar, Ghaziabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Shastri Nagar, Ghaziabad.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-729/84-85 :--श्रतः मझे, जे. पी हिलोरी, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' यहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्र. धिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित बाजा मुल्य 1,00,000 से श्रधिक है श्रांर जिसको सं. 667/1 है ू तथा जो ऋषिकेस, में स्थित हैं (ग्रीर इतने उपाबढ़ ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, देहरादून में राजस्ट्रीकरण भ्रांधानियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीच 5-3-84 की पूर्वीक्त सन्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्तमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ पूर्वोक्त संस्पति का अचित वाजार मृत्यं उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त प्रनारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही विजा गना है ---

- (क) अन्तरण से बुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधित्यम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उससे बक्त में मुनिधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्राय हर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनयम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं सुविधा के लिए।

अतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के ब्रमुगरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग की उपवारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- श्रोमतो विद्यावतो, श्रामतो विनोद मेहता, श्रामतो अंजू मेहता, 46, हरिद्वार राइ, देहरावृत्त (अन्तरिनी)
 - श्री राम लाल,
 20-बो, त्यागी रोड, देहरादून (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रयांध, या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा, (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित का में किए जा सकोंगे।

स्पष्टी तरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त श्रीधिनियम, के अध्याय-20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

मन्सू ची

प्लाट स्थित, 667/1, ऋषिकेश ।

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो सागु न हो उसे काट दीजिए।

No. M-729|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 667|1 situated at Rishikesh (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under Registration No. 1704 dated 5-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate porceedings for acqvisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vidyawati, Smt. Vinod Mehta, Smt. Anju Mehta 46, Hardwar Road, Dehradun. (Transferce) 2. Shri Ram Lal, 20-B, Tyagi Road, Dehradun (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agriculture Land Plot No. 667 1 at Rishikesh.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-730/84-85 :-- ग्रतः मझे, जे. पी हिलोरी, मायकर ऋघिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चीत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000 से प्रधिक है भीर जिसकी सं. 181, है तथा जो राजपुर रोड, देहरादून, में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाधद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 2-3-84 को प्रधीन मम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से अम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (भन्तरकों) श्रीर भन्तिरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) शन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, आयकर शिधिनियम, 1961(1961का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी अन्य या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या श्रायकर श्रिधित्यम, 1961 (1961 का 43) या धानार श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग धर्य श्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रम्भ युक्त श्रिधितान, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रीधितिनम की धारा 269-ग की उन्ध्र रा (1) के श्रीमी, निम्तलिखित व्यक्तियों श्रथीत्: --

- श्रो दिलकाग राय बहन, सुपुत्र स्व. धनपन राय बहल, आदि 301-एल बलाक, मेकर टावर, काफो परेड, कोनावा बम्बई (अन्तरक)
- श्रो अतिन बहुन, सुरुत्र श्रो अमृत लाल बहुन, 181, राजरूर राड, देहराहून, (अन्तरितो)

को यह सूबना जारी करी पूर्वीक सम्मति के द्यर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उका सम्मत्ति के त्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी क्राक्षेप:--

- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की श्रविध, या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तानील से 30 दिन की श्रविध, जा भी श्रविध बाद में समाप्त हाती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इप सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधाहरताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्टीकरण :- - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रांर पदों दा, जो आयसार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के शक्ष्माय 20-क में पारसाणित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान नं. 181, राजपुर राड, देहरादून ।

सारीख: 26,11,84

मोहर:

*जो लागु र हो उसे काट दीजिए।

M-730/84-85.—Whereas, I J.P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in his behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have leason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 181 situated at Rajpur Road, Dehradun (and more fully described in the schedule below) has been transferred and re-

gistered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun, under registration No. 1690 dated 2-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfe or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not occur or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Anil Bahl S/o Shri Amrit Lal Bahl 181,
 R. jpar Road, Dohradun (Transferee)
- Shri Dilbogh Rei Bohl S/o Lato Dhonpat Rei Bohl & others 301, L-Block, Maker Towers, Cuffe Por de Coluba, Bombay (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

SCHEDULE

House at 181, Rejpur Road, Dehradun.

Date: 26-11-1984.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निवेश नं. एम-741/84-85:--अतः मुझे, जैं.पी. हिलोरी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसके पश्चात् "छक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ख के अर्धान सक्षम प्राधिकारी की यह निश्त्रास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिलका अचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 21 एवं 22 है तथा जो भ्रोत्ड ग्रांड ट्रंक मेरठ में स्थित है (और इससे छना-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजाङ्गेकर्ता, अधिकारः के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के आधंन तारीख 6-3-34 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुने यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धि का अविन बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिकल से, ऐसे दुःयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिते (अन्तिर्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नीलेखित उद्वेश्यों से युक्त अन्तरग, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अनारण से हुई किसी आय को बाबा, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में भुविधा के लिए और।या
- (ख) ऐसे किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविया के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-सरण में, मैं छक्त अधिनियम की धारा 269ग को छा-घारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. श्रीमती न थेया देती, 239, दंकी मोहत्ला सदर, मेरठ (भ्रन्तरक)
- श्रीमतो कोगल्या धती मंगः रंग साज मोहल्ता सदर भेरठ श्रीमती प्रीति सेठ, 1/4, बेंग्म बाग, मेरठ शहर (श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारो करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियौ शुरू करता हूं। छक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रताशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध

कितो अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तातरो के पास जिख्यित में किए जासीनो ।

स्वव्हीं करण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयहर ऑजनिया, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिताधा है, वहों अर्य हाना जा उस जध्याय में दिया गया है।

अनु नूचा

दुकान नं. 21, 22 बतालाचानः, दुकान स्थित श्रील्ड ग्रांड ट्रंज राष्ट्र, भरठ

तारीख: 26-11-34

महिर:

*जो लागू २ हो उंते काट दीजिए।

M-741/84-35.—Whore is, I J.P. Hillori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to be-Leve that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 21 and 22 situated at Old Grand Trunk Meerut (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 o. 1938) in the office of the Registering Officer at Meerut under registered No. 3213 dated 6-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such gansfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not seen truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hareby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Nathia Davi, 239, T. aki Mohalla Sadar, Magnut (Transferor)
- 2. Sant. Kaushilyawanti Mauga Rangsej, Mohalla Sadar Moorut & Sant Priti Seth, 1/4 Bogha Bagh, Meorut City (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 21, 22 & Balakhang at Old Grand Trunk, Mostut.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-749/84-85 :--- जाः मुझे जे.पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात "उनन् अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका छिना बाजार मृत्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 771/11,765/766 है तथा जो गकनपुर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्भूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिसारी के कार्यातय ददरो में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 12-3-84 की पूर्वोक्त समात्ति के छवत बाजार मृत्य से कम के दुण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि मथापूर्वीवत सन्तरित का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यपान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिया से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रजिकल, निम्तलिखित उद्वेश्यों से युक्त अनारण, लिखित में वास्तीवह रूप से कयित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरम से हई कियो आब को बाबन, आब कर जिब्ब नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देते के अन्तरक दायित्व में जमी करने या आसे बनने में मुनिया के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हे प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए

अतः अत्र युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-सरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269ग की छन-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान् :---

- श्री गीतिल भिंह पुत्र हरवंश भिंह नि. मकनपुर तह. दादरी, जि०-गाजियाबाद (भ्रान्तरक)
- 2. जागृति सहकारी आवास मिनित लि. द्वारा राजाराम पाडे सिचव,

25, तब गुण माकॅट, गाजियाबाद (मन्तरितीः)
कां यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति
के अर्जन के लिए कार्यगिहियाँ गुरू करता हुं। उक्त
सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आजेप:→→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत को तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धो ब्यक्तियों पर सूचना की तामिल 30 दिन की अविधि, जा भी बाद में समाप्त हातो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख के 45 दिन के भीतर उन्न स्यावर सम्मित में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निखित में किए जा सकेगें।

स्पष्टीकरण :---इनमें प्रयुक्त मध्यों और पद्यों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिनाधित है, यहां अर्थ हामा जा उप अध्याय में दिया गया है।

अनु **मुची**

ख. नं. 771/1, 765/1, 766 मकापुर तह. दादरो, जि. गाजियाबाद

तारीख: 26-11-1984

माहर:

*जो लागू न हो उसे काट दीिजए।

M-749|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competer Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 771|1 situated at Makanpur Dadri (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 1068 dated 12-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the co-cealment of any income or any mone, or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Gopal Singh S/o Herbans Singh R/o Makanpur, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad. (Transforor)
- M/s. Jagrity Sahkari Avas Samiti Ltd., Ghaziabad through Shri Reja Ram Pandey (Secy.)
 Navyug Market, Ghaziabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 771/1, 765/1, 766 Makanpur Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-757/84-85:-प्रतः मुझे, जे. पी. हिलोरी प्रायक्तर श्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात 'उक्त श्रिशिनयम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से श्रिधिक है और जिसकी सं. है तथा जो प्लाट सहारनपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकुर सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख 7-3-84 को पूर्षोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधानुत्रीकत सम्पति के उचित

बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिपात से ग्रधिक है ग्रन्तरक (भन्तरकों) गाँर श्रन्तरिती (श्रन्तरियों) के बोच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त ग्रन्तरण, लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहां किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रश्वीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्थिा के लिये और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिल्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये

भतः श्रव युक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, भैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात :--

- श्री रशीद भ्रहमद पु. शकी शईद श्रहमद
 न. मोहम्भद गुलाम, कस्बा गंगाह पा.-खस नकुड़ जिला सहारनपुर (भाजरक)
- श्री करण सिंह, रमेश कुमार श्रांदि पु.
 गाताल सिंह नि.-कमहेड , पा.--गंगीह
 निकुड़ जिला--महारनपुर (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्चोहस्ताक्षरी के पास विखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त मध्दों श्रौर पदों का, जो श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक ब्लाट न. 4409 वर्ग फुट, सहारनपुर

तारीख: 26-11-34

मोहर:

*जो लागू २ हो उसे काट दीजिए।

M-757/84-85.—Whereas, I, J.P. Hilori being the authorised by the Competent Authority Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No..... situated at Plot, Saharanpur and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakur (Saharanpur) under registration No. 1717 dated 7-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Rasid Ahmad S/o Saffi Said Ahmad, R/o Mohamad Gulam Kasba Gangoh, Post-Khas, Nakur Distt. Shaharanpur. (Transferor)
- 2. Shri Karan Singh, Ramesh Kumar others S/o Bhopal Singh R/o Kam Heda, Post Gangoh, Nakur Distt. Saharanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

One Plot 4409 Sq. Feet.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

1202 GI/84—3

निदेश नं. एम-754/84-85:-अधः मुझे जें ०पी ० हिलोरी, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/--से अधिक है और जिसकी सं. 770-771 है तथा जो मकनपर में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण क्य से वॉणत हैं) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से भाधिक है भन्तरक (भन्तरकों) श्रौर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये

भ्रतः श्रव युक्त भ्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अवित्ः—

- श्री हरकेश पुत्र फकीरा निवासी मकनपुर, तह. दावरी, जिला-गाजियाबाद (ग्रन्तरक)
- मै. जागृति सहकारी श्रावास समिति लि., गाजियाबाद द्वारा राजाराम पान्डे सचिव 25, नवगुग मार्केट, गाजियाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 बिन की श्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस व्यक्तियों में से किसी अथित के द्वारा । (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का जो श्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

खसरा नं. 770, 771 स्थित मकनपुर तह.-दादरी, जिला--गाजियाबाद

तारीख:-26-11-84

मोहर:

*जो लाग् व हो उसे काट दीजिए।

M-754 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, (961 (43 of 1961), hereinalter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 770, 771 situated at Makanpur Dadri (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 1070 dated 12-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Harkesh S/o Fakeera R/o Makanpur Teh. Dadri Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

 M/s. Jagriti Sahakari Avas Samiti Ltd. through Shri Raja Ram Pandey (Secy.) 25 Navyug Market, Ghaziabad (Transforce) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 770, 771 at Makanpur Teh. Dadri Ghaziabad.

Dated: 26-11-1984.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं.~एम-762/84-85--ध्रतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मत्य 1,00,000→ से प्रधिक है और जिसकी सं. — है तथा जो सहारनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रानुसूची में और पूर्ण रूप से र्याणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हरिद्वार. में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 30-3-84 को पूर्वॉक्त गणति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यभान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य. उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है अंतरक (श्रन्तरकों) और ग्रन्तरितो (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त भ्रन्तरण, लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अंतरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, भ्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये

अतः अव उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के श्रश्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्यात् :--

- श्री पूरनचन्द पुत्र धन्नामल
 नि ग्राम जुम्बा, जिला भटिण्डा (पंजाब) (श्रन्तरक)
- 2. श्री जयप्रकाण दुबे, पुत श्री भूपेन्द्र प्रसाद, नि.-देवपुरा, हन्द्वार (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां श्रक् करना हूं। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख़ से 45 दिन की श्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकोंगे।

स्पन्टीकरण-इसमें प्रयुक्त गब्बों और पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रघ्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनसूची

भूमि, ग्रहमदपुर

तारीख : 26-11-1984

मोहर:

*जो लागु ५ हो उसे काट दीजिए ।

M-762 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market Rs. $1,00,00\bar{0}$ and bearing situated at Shaharanpur and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (1 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar under Registration No. 768 dated 30-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Puran Chand S/o Dhanna Mal, R/o Village Jumba Distt. Bhatinda (Punjab) (Transferor)
- Shri Jai Prakash Dube S/o Shri Bhopendra Prasad Dube R/o Deo Pura Hardwar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice ir the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot Ahmadpur.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-763/84-85:--श्राः मुझे जे.पी. हिलारी भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से श्रधिक है और जिसकी मं० है तथा जो भ्रहमदपुर में स्थित है और जिसकी मं० है तथा जो भ्रहमदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण क्ष्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ण श्रधिकारी के कार्यालय हरिद्वार, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-3-84 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भ्रन्तित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से श्रधिक

है भन्तरक (ग्रम्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिये तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (का) अंतरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, ग्रायकर भिभिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के भ्रम्सरका के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसे फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या घायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रमाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुबिधा के लिए

मतः भ्रब युक्त मधिनियम की धारा 269म के मनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों प्रशीस :-

- 1. प्रतमन्द पुत श्री धन्नामल निवासी-ग्रा. जुम्बा, भटिण्डा (पंजाब) (भन्तरक)
- 2. श्री जय प्रकाश दुबे पुल भूपेन्द्र प्रसाद दुबे नि : देवपूरा, हरिद्वार सहारनपुर (भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पति के भर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू सरता हं। उक्त सम्पति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (भा) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की भवधि, जो भी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष मे प्रकाशन की सारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा ओ उस ब्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची •

भृमि--- मह्मदपुर

सारीखः 26-11-84

मोहर ;

*ओं लागुन हो उसे काट दीपिए।

Dube R/o Deopura, Hardwar Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publica-

- tion of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot-Ahmadpur.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

- M-763/84-85.—Whereas, I, J.P. Hilori being the authorised by the Central Competent Authority Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000 and bearing bearing situated at Ahmadpur (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hardwar under Registration No. 769 dated 30-3-84 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
 - (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Puran Chand S/o Dhanna Mal R/o Jumba Bhatinda (Punjab) (Transforor)
- 2. Shri Jai Prakash Dube S/o Upondra Prasad (Transferee)

कानपुर, 28 मधम्बर, 1984

निदेश नं. के-59/84-84:--- मतः मुझे जे.पी. हिलोरी आयफर अधिनिधम, 1961 (1961 मा 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269ख के अधीम समाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्तिः जिसका उचित बाजार मृहय 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं० 29/15/75 है तथा जो बावाघाट, परमट में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीक्ली अधिकारी के कार्यालय, कामपुर में रिकस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख ... को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यैमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ध्यापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पनद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आध की बाबन, आधकर अधिकियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधिस्व में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

जतः अब युक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसक्का में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित क्यिंकतयों, अर्थातु:→

- 1. श्री द्वारकाधीश सहकारी श्रावास समिति लि॰ 17/3, दिमाल, कानपुर
- 2. श्री विजय कुमार जैन एवं विनय कुमार जैन पुत्र सत्य नारायण जैन 71/146 ए सुतर खाना, कानपुर को यह श्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिनां मुद्ध करता हूं। उक्त संस्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आसेप :~
 - (क) इस सूचना के राजपन में प्रकालन की सारीखा से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वनित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
 - (ख) इस सूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

ण्लाट नं. 29 बाबाघाट परमट, सिविल लाइन्स कानपुर सारी**ख** 28-11-84

मोहर:

"जो लागु न हो उसे काट दीजिए।

Kanpur, the 28th November, 1984

M-59/84-85.—Whereas, I J.P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 29|15|75 situated at Babaghat Permat (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5506 dated an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Dwarkadheosh Sahkari Avas Samiti Ltd., 17/3, The Mall, Kanpur (Transferor)
- Shri Vijay Kumar Jain, and Vinay Kumar Jain, S/o Shri Satya Narain Jain, 71/146 A. Sutar Khana Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the

notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 29 Babaghat, Permat Civil Lines, Kanpur

Date: 28-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

कानिप्र, 26 नवम्बर, 1984

निदेश नं. एम 601/84-85:-ग्रतः मुझे जे.पी. हिलोरी अधिनियम 1961 (1961 का (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं०के .ई. 11 है तथा जा कविनगर गा० बाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीमर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 30-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य में कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुशामान प्रतिफल से ऐसे दुण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) केबीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिकल निम्त-निखित उदेश्यों से युक्त अन्तरण, निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाप्तिब में बभी कॉने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या,
- (ख) ऐसे किसी आय पा किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छियाने में सुविधा के लिए।

अतः अत्र युक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्.—

 श्री मुदर्शन लाल श्रनेजा पुत्र श्री दरबारी लास अनेजा सि. -वाई सी-6 नेहर नगर, गाजियानाय, तहसील व जिला-गाजियावाद (अन्तरक) श्रीमती निर्मला देवी गुण्ता पत्नी श्री पी पी गुण्ता निर्मा 12 नवागंज, गाजियाबाद स्थापी निवास एम 22/7 हैवल्कोनीज, जमशेदपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के बारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पर्क्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त णब्दों और पदा का, जो उक्त प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्वाः

प्लाट नं. के० ई० 11 कवि नगर गाजियाबाद

तारीख: 26-11-84

मोहर :

*जो लागुरु हो उसे काट दीफिए।

Kanpur, the 26th November, 1984

M-601|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have teason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. K.E. 11 situated at Kavi Nagar, Ghaziabad (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under Registration No. 22022 dated 30-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Sudarshan Lal Anaja S/o Shri Darbari Lal Anaja, R/o IIIrd E-6 Nehru Nagar Ghaziabad (Transferor)
- Smt. Neermala Devi Gupta W/o Shri P. P. Gupta, R/o 12 Naiagang Ghaziabad

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. K.E. 11, Kavi Nagar, Ghaziabad.

Da'e: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-604/84-85:--ग्रतः मुझे जे. पी. हिलोरी प्रायनार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- से श्रधिक है और जिसकी सं. 636 है तथा जो कवि नगर गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध ब्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुण्यमान प्रतिफ़ल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफ़ल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्यों से युक्त भ्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया एया है।

(कः) प्रन्तरण से हुई किनी ग्राय की वाबत, ग्रायकर ग्रीविनयम, 1961 (1961 का 43) के ग्राधीन

- कर दर्श के प्रस्तरक के दाधित्व में कमा करने स उससे बचने में लुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किनी प्रायं या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायंकर प्रधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या प्रायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव युक्त अधिनियम् की धारा 269 ग के श्रनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम् की धारा 269 ग की उप-धारा (1) के श्रधोन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत् :---

- श्री कर्नल विपिन चन्द्र जैन पुत्र श्री मूल चन्द्र जैन निवासी-एस 219ग्रेटरकैलाश, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरी नूषण वसल, पुत्र स्व. श्री प्रहलाद सिंह निवासी-बी-80 सर्वोदय इन्क्लेव, नई दिल्ली-17 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के क्रर्जेंच के सम्बन्धे मे कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन की श्रविध, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विश्मी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों हा, जो आयकार श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20का में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं, के, एस, कवि नगर, गाजियाबाद ।

नारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए ।

M-604|84-85,—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 636 situated at Kavi Nagar, Ghaziabad and more fully

described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 2002 dated 31-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money o other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, o. the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Colonel Bipin Chand Jain S/o Mool Chand Jain R/o S. 219, Groater Kailash, New Delhi. (Transferor)
- Shri Hari Bhosan Bansal S/o Late Shri Prahlad Singh R/o B-80 Sarvodaya Enclave New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. K. L-1 Kavi Nagar, Ghaziabad.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable,

पी. निदेश नं. एम 605/84-85--- प्रतः मुझे हिलोरी, भायकर भविनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसके पश्चातु 'उक्त श्रधिनियम' भाहा धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को है कि स्थावर विश्वास करने का क्यारण सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से ग्रधिक हैं और जिसको सं०.....है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय देहरादन में, रजिस्दीकरण श्रधिमियम, (1908 का 1908 के ग्रधीन तारीख 23-3-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पनद्रह प्रतिशत से अधिक मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्यों से युक्त भन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) प्रान्तरण से हुई फिसी भाग की वाबत, शायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या श्रम्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रधि-नियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अव युक्त ध्रधिनियम की धारा 269 म के भनृ-सरण में, मैं उक्त ध्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्—

- 1. श्री संजीव भुमार पुत्र अग्रसे । श्रादि भिवासी—बरवामो, 1, वेहराहून (श्रन्तरक)
- 2. श्री दिनेश जैन घादि पुत्र श्री सुरेश चन्द जैन निवासी—4 रेसकोर्स देहरादून (अस्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के धर्जन के लिए शार्यवादियां सुरू करता हूं। उक्त सम्पन्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध, या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

कृषि भूमि--देहराषून

तारीख : 29-11-84

मोहर :

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए ।

M-605/84-85.—Whereas LJ.P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Acr, have reason to believe that immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000 and bearing situated at Agricultural Land (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 2226 dated 23-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of said property by more than fifteen of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Sanjeev Kumar, S/o Uagarsen & others, R/o Darbari I, Dehradun. (Transferor)
- Shri Dinesh Jain & others, S/o Shri Suresh Chand Jain, R/o 4, Race Course, Dehradun. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. 202 GI/8 4-4

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural Land-Dehradun.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निवेश मं. एम-607/84-85---अतः मझे, जे० पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धा, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. 7/1 है तथा नी देहरादून में स्थित है (और इससे उपाधव अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, देहराइन में, रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-3-83 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तीरती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उनधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री एस. पी. म्राह्जा, पुत्र श्री बी. एल॰ म्राह्जा,
 नि. म्रंसारी मार्ग, देहरापून (म्रन्तरक)
- 2. श्रो निरंजनलाल, पुत्र स्व. श्रो बिलायतो राम, पार्टनर मेसर्ल डिसकत कारपोरेशन 34/बी बिन्दल रोड़, देहरापुन · · · · · · · · (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी, आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होनों हो, के भीनर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी: अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं. 7/1 देहराधून।

तारोख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागू २ हो उसे काट दीजिए।

M-607/34-85:—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 7/1 situated at Dehradun (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under Registration No. 49 dated 23-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentration of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri S. P. Ahuja,
 S/o. Shri B. L. Ahuja,
 R/o. 10, Ansari Marg, Dehradun (Transferor)
- Shri Niranjan Lal,
 S/o. Late Wilaity Ram, Partner
 M's. Diacon Corparation
 34/B Binda, Road Dehradun (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 7/1 Dehradun.

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम 609/84-85:---श्रनः मुझे, जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उकत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं 38 है तथा जो देहराडून में स्थित है (और इससे उराबद्ध अन्भूचो में और पूर्णरूप

में बर्गा है), रिजिस्ट्राकर्ती अधिकारों के कार्यालय देहरादून में, रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को वाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतोय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, युक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री लक्खां मल पुत्र श्री गोविन्ददास ग्रीर श्रीमती माया देवी पत्नी श्री लक्खा मल नि० 38 नशवीला रोड, देहरादून (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जे. पी. गर्ग श्रीर श्रीमती श्राशा गर्ग नि० 26 नशर्वीला रोड. देहराष्ट्रन : : : (श्रन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्र
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में पारिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंधा है।

अनुसूचो

प्रापर्टी नं .- 38 नशवीला रोड, देहरादून

ताराख: 26-11-84

माहर:

*जो लागु न हो उसे काट दीजिए।

M-609/84-85: -Where as, I. J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter reterred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 38 situated at Nashvilla Road (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 2123 dated 20-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- Shri Lakha Mal, 'S/o. Shri Govind Mal, and Smt. Maya Devi, W/o. Shri Lakha Mal, R/o. Nashvilla Road, Dehradun (Transferor)
- 2. Shri J. P. Garg and Smt, Asha Garg, R/o. 26 Nashviila Road, Dehradun (Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the

said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 38 Nashvilla Road Dehradun.

Date: 26-11-84.

SEAL:

*Strike off where not applicable.

निवेश नं . एम-620/84-85 :---ग्रनः मुझे, जे . पी . हिलोरी, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चासु 'उक्त भाधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के भाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 से प्रधिक है धौर जिसकी खा० नं० 47 है तथा जो महो उद्दीनपुर में स्थित है (धीर इससे उपाबद अनुसूची में घीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त भ्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया **है** ।

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः, अब, युक्त श्रधिनियम की घारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा(1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :--

- श्री ब्रह्मजीत पुत्र श्री हरवंश त्यागी नि.-ग्राम महीउद्दीनपुर, मैनापुर, पर. जलालाबाद, गाजिया-बाद(श्रान्तरिक)
- 2. मैं. स्टील झयारिटो आफ इंडिया लि. रिज. कार्यालय, इस्पात भवन इन्टीग्रेटिड आफिस काम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई विल्ली-3 तथा शाखा एवं बिकी कार्यालय पो. बाक्स 103, 69,70, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

खसरा मं. 47, स्थित महो उद्दीनपुर, मैनापुर पर. जलालाबाद, गाजियाबाद

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

M-620/84-85:—Whereas I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Khasra No. 47 situated at Mohindeenpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 21839 dated 31-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice

under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Brahmjeet,
 - Slo. Shri Harbans Tyagi,

Rlo. Vill. Mohiudeen Pur Mainapur,

Per-Jalalabad, Distt, Ghaziabad (Transferor)

 M|s. Steel Authority of India Ltd. Gaziabad, P. Box No. 103, 6970 Navyug Market, Ghaziabad (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expire; later;
- (b) by any other person interested in the s id immovable property within 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 47, at Mohuideen pur Mainapur Per-Jalalabad, Distt. Ghaziabad.

Date: 26-11-84.

Seal

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-616/84-85:-- अतः मुझे, जे. पी. हिलोरी, श्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 से श्रधिक है और जिसकी सं. श्रार-9/179,है तथा जी राजनगर गाजियाबाद, मे स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-3-84 को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भन्तरिती(भन्तरियो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीत कर देने के अन्तरक क दायित्व के निर्मार पा उससे बचने में सुविधा के लिए और/य

(ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनयम 1922(1922 का 11) या आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए

श्रतः श्रव युक्त अधिनियम की धारा 269ग के श्रकुतरण में मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा(1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात :--

- श्रीमती तारा सिंह पत्नी जगदीश सिंह नि. कचहरी कम्पाउंड, गाजियाबाद, व हैसियत मुख्तार आम आर सेश्रीराम लाल कपूर पुत्र श्री वैष्णा दास कपूर एम 7-C-789, फरीदाबाद (अन्तरक)
- 2. श्रीमती विद्या सिंह पत्नी जितेन्द्र सिंह व श्री विणाल सिंह श्रीदि, नि. ग्रा. व पोस्ट. इरनी, तहसील लालगंग जिला श्राजमगढ......(श्रन्नरिती) का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यधाहियां शुरू करता, हू। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--
 - (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के हारा।
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है वहीं श्रर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

सम्पत्ति न श्रार/9/179, स्थित राजनगर, गाजियाबाद नारीख : 26-11-84

माहर:

*जो लागृ∻ हो उसे काट दीजिए ।∙

M—616/84-85:—Where as, I.J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000 and bearing No. R/9,179 situated at Rai Nagar, Ghaziabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chaziabad under registration No. 21931 dated 30-3-84 for an apparer

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and transferee(s) has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Smt. Tara Singh,

W/o. Jagdish Singh,

Ro. Kutcheri Compound, Ghaziabad.

(Transferor)

2. Via. Ramlal Kapoor M7-C-789 Nukhtar Am, Faridabad and Vidhya Singh Wo. Jaitendra Singh,

R/o. V. & P. Irni, Teh. Lalganj,

Distt. Azamgarh, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. R-9/179, at Raj Nagar, Ghaziabad.

Dated: 26-11-1984.

Seal

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-621/84-35—अतः मुझे जे. पी. हिलोरी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिव बाजार मूट्य 1,00,000 से अधिक है और जिसकी सं.44M,47M&52M है तथा जो सेन्ट्रबब्द देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद अनुभूची में और

पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-3-84 का पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह थिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल मे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती(अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित मे बाम्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की वाबत आध कर अधि-निधम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दालित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए ओए/या
- (ख) ऐमे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव युक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :---

- श्री विजयकुमार विन्डलास म्रादि पुत्र श्री वेदप्रकाश विन्डलास, 53 म्रार राजपुर रोड़ देहरांपून (म्रान्तरिक)
- श्री एम. के. पीसे 'लास्टिक (प्र: लि.) 18-ए, मुभाष रोड़, देहरायून.....(अन्तरक)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्मिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 की अवधि जोभी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रहाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निखित में एए ता महेंगे।

स्पष्ट होता : - - इसमे अपुक्त सब्बों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनु पृची

खेती की भान ।स्यत भहायेवाला सेन्ट्रजयून, देहरादून

सारीख: 26-11-84

महिर:

*जो लाग न हो उसे काट दीजिए।

M-621/84-85.—Whereas, I, J P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 44-M, 47-M& 50-M situateed at Central Loon Ethradun (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 2503 Dehradun under registration No. 30-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Vinay Kumar Windlass and others Slo. Shri Ved Prakash Windlass, 53 R, Rajpur Road, Dehradun (Transferee)
- 2. Messrs M. K. P. Plastics (P) Ltd., 18/3, Subhash Nagar, Dehradun (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural Land at Mohabewala Central Doon, Dehradun.

Dated: '26-11-84.

Seal

*Strike off where not applicable.

निदेश नं . एम-626 /84-85 : --- ग्रतः मुझे जे . पी . हिलोरी, आयकर अधिनितम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उ'क्त अधिनियम' ऋहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 1,00,000/-से अधिक है और जिमकी सं. 183 है तथा जो . में. स्थित है (और इससे अपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिन्द्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनिधम 1908 (1908 का 16) के अवीन तारीख 26-3-84 की पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गता है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/था
- (ख) ऐसे किसी आध या किसी घन वा अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए

अनः अब युक्त अधिनियम की धाः॥ 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपवारा(1) के अबीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

 श्री मेहरचंद ख्जान पुत्र तेजा क्रांदि निः-हसनपुर भौवापुर क्रा.-लानो पो.-मकनपुर जिता गाजियाबाद.....(अन्तरक)

2. श्रामा पुष्प बिहार सहकारी आवास मिर्मित लि. गा. बाद द्वारा गोपाल दत्त पुत्र बच्ची राम नि.-12 विजय चौक लक्ष्मी नगर, दिल्ली-92,.. (श्रुन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है। उक्त सम्यन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हानी हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य वाक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परि ाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमुची

ख्र. न. 183, ग्र.म-हसनपुर भोव।पुर

नारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागू र हो उसे काट वीजिए।

M-626|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 183 situated at Hasanfully described in the (and more schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadra under registration No. 1344 dated 26-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprty by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purposes of the Indian icome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- Shri Mahar Chand Khajan,
 S/o. Teja Others,
 R/o. Hasanpur Bhowapur Pargana,
 Loni, Post, Makanpur, Distt. Ghaziabad
 (Tran sferor)
- Shri Ashapusp Behar, Sahkari Awas Samiti, Ltd. Ghaziabad, Through Gopal Dutt,
 S/o. Bachhi Ram,
 R/o. 12 Vijai Chowk, Laxmi Nagar,
 Delhi-92 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 183 Village-Hasanpur, Bhawapur.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निवेश सं० एम-618 84-85 --- श्रतः मुझे जे०पी० हिलोरी भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 से श्रधिक है और जिसकी सं० 45 है तथा जो मोहीउद्दीनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजिशबाद में, राजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन नारीख 15-12-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से यक्त

ग्रन्तरण, लिखित में बास्ति। क्या स्पास कथित नई। किया गया है।

(का) अन्तरण ो हुई किसी प्राय की बाबा, प्रायकार श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीत कर देने ने प्रनारक के दानित्व में कनी करने या उसने बचने में मुवित्रा के लिए और/या

(ख) ऐसे जिमी आय या किनी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या फ्रायकर प्राधितायम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर फ्रांधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः, श्रव, युक्तः प्रधिनियम की धारा 269ग के श्रन-सरण में, मैं उनन र्याधनियम की धारा 269ग की उप-धारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :---

- 1. श्री छिद्दा पुत्र श्री ज्वाला स्थागी नि० मही-उद्दीतपुर, भैनापुरपप. जलालाबाद जिला. गाजिया-
- 2. मै. स्टोल श्रथारिटी श्राफ इंडिया लि. गाजियाबाद द्वारा श्रमिस्टेंट जनरल मैंनेजर श्री पी. ग्रार राघवन बी-1/2, होजख स, नई दिल्ली (3) (भ्रन्तिती)

की यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवाधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किर्मा ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्राध्याय 20क में परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भ्रन्सूची

खसरा नं. 45, मही उद्दीनपूर, मैनापूर, पर. जलालाबाद, जिला. गाजियाबाद

सारीवाः 26-11-84

मोहर:

*जो लागुन हो उसे काट धीजिए। 1202 GI/84-- 5

15-410 | 01-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 45 situated at Mohiuddinpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 21844 dated 31-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Chhidda, S/o. Shri Jwala Tyagi, R/o. Mohiuddinpur Mainapur Per. Jalalabad, Distt. Ghaziabad (Transferor)
- 2. M/s. Steel Authority of India Ltd., Ghaziabad, through Asstt. General Manager, Shri P. R. Raghwan R/o. B-1/2, Hauz Khaz, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

SCHEDULE

Khasra No. 45, Mohiuddinpur, Per Jalalabad, Distt. Ghaziabad. Mainapur, Date: 26-11-84.

Seal

*Strike off where not applicable.

निदेश सं० एम-669/8 4-85 भन., मुझे जे० पी० हिलोरी, श्रायकर श्रांधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात 'उवत श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269'ड़ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 से प्रधिक है और जिसकी सं० 37 है तथा जो अजि ब्यू एक्सटैन्शन सहारतपुर में स्थित है (और इसरो उपाबद्ध श्रनुसूची मे और पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के नायलिथ सहारतपुर मे, रजिस्ट्रीकश्ण फ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीज 27-3-84 की पर्जोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास मारने भा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और भ्रन्त-रिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफुल, निम्नलिखित उद्देश्यो से युक्त प्रन्तरण, लिखित में बास्तविक ऋप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबते, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुखिया के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर शिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर शिधिनयम, 1961 (1961 का 43) याधन-कर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-सरग में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. डा॰ रतनजन्द िमर किशन चन्द्र, नि भौ. किशनपुरा, सहारनपुर '''' (श्रन्तरक)
- श्रीमती निरमल रानी, पत्नी गांदर्गालाल नि., कस्मोह कटेहड्, सहारनपुर ' (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध मैं कोई भी श्राक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की ग्रविध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(भ्रा) इस यूचना के राज्यत में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर ग्रीक्षानसम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, यही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

श्रन् पूर्ची

प्लाट नं. 37, ब्रिज ब्यू एक्सटेन्यान भियान कम्भान्ड, सह।रनपुर

तारोख : 26-11-84

मोहर:

*जी लाग न हो उसे काट दीजिए।

M-669/84-85: -- Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No. 37 situated at Bridge Bue Extn., Saharanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur under registration No. 2927 dated 27-3-1984 apparent consideration is less than than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1 Dr. Ratan Chand Pisar Kisan Chand, R/o. Kisanpura, Saharanpur (Transferor)
- Smt. Nirmalrani, W/o. Godson Lal, R/o. Kanboh, Katehada, Saharanpur (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or

a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Bridge Bue Extention, Saharanpur.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश संव्यान-७७ । / ८४-८५ .--अतः, मुझे जेव ीव हिलोरी, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात 'जात अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्त, जिसका छचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं $\circ 2/636/3$ है तथा जो श्रम्बाला रोड़, सहारतपुर में स्थित है (और इससे छपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारतपुर में, राजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकीं) और अन्तर्रितं (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युवत अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बायत, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरम में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 थी ब्रह्मतराय, पुत्त थी हाकमराय, नित्रमी मा. रामत्त्रर, महारतपुर.....(प्रन्तरक) 2. श्री ग्रगंक मेहरा, पुत्र श्री बरकतराय नि. राम-नगर, सहारतपुर.....(ग्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन को अवधि, या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहो अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

थनुसूची

म . नं . 2/636/3 भाबादी अम्बाला रोड़, सहारतपुर

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागृ न हो उसे काट दीजिए।

M-671/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 2|636|3 situated at Abadi, Ambala Road (and moree fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur under registration No. 2865 dated 23-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

1. Shri Barkat Ram,

Rlo. Ram Nagar, Saharanpur, (Transferor)

2. Shri Ashok Mehra,

Slo. Barkat Ram,

Rlo. Mohalla Ram Nagar,

Saharanpur (Transferee)
Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

2|636|3 Abadi, Ambala Road, Saharanpur. Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश सं०एम-673/84-85:--अतः, मुझे, जे०पी०हिलोरो, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- ह से अधिक है और जिसकी सं 0 3903 है तथा जो रेलवे रोड़, ताहिर हुसैन में स्थित है (और इससे छपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-3-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्री इरीश चन्द्र, पुत्र श्री किशान लाल, एवं श्रीमती दथावन्तो पत्नि श्री रमेश कुमार, एवं पुत्री किशान लाल, रेलवे रीड, पुरवा कम्बाह गेट, मेरठ ''' (श्रन्तरक)
- श्री हरवंश लाल, धर्मीभह एवं नरेश, पुत्र श्री अमरलाल, 306, पुरवा तर्ताहर हुनैन, भरठः ' (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ सुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस न्यूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ण्टीकरण: इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जे। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित, रेलवे रोष्ट्र, ताहिर हुसैन, मेरठ

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

M-673 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 3903 situated at Purwa Tahir Hussain (and more fully described in

the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration. No. 3903 dated 22-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

- Shri Harish Chandra,
 S|o. Sri Kisan Lal and Smt. Dayawati,
 W|o. Sri Ramesh Kumar,
 D/o Kisanlal, Railway Road,
 Purwa Kamboh Gate, Meerut (Transferor)
- Shri Harbans Lal Dharam Singh & Naresh S/o. Amer Lal, 306, Purwa Tahirhussan, Meerut (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at Railway Road, Tahil Hussan, Meerut. Date: 26-11-84. SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं एम 676/84-85:— प्रनः मुझे, जे०पी० हिलोरी, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं०124 है तथा जो

कम्तला, शमसेर नर र में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन तारीख 28-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अल्लारक के दायिन्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐमे किली श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 को 11) या श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव इक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों, श्रधीत :——

- 1. श्री काल निह पिसर, श्री बब्तावर सिहं, कस्तला श्रमणेर नगर, मेरठ (श्रन्तरक)
- 2 श्री तंत्रर पाल पिनर, गजपत सिंह, धीर सिंह, शजीत सिंह एवं शुष्ण पाल पुत्र श्री कालू सिंह, बस्ता। अमसेर नगर, मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध, या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूत्रना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त भव्दां श्रीर पदां का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुमू भो

खेत स्थित, कस्तला शमशेर नगर, भरठ

तारीखा: 26-11-84

मोहर:

*जो लागु न हो उसे काट दीजिए।

M-676/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 124 situated at Kastla Shamshernagar, Meerut (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 4242 dated 28-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than 15% of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

- Shri Kalu Singh Pisar Shree Bakhtawar. Singh, Kastla Shamshernagar, Meerut. (Transferor)
- 2. Shri Kanwarpal Pisar, Gaipat Singh, Dheer Singh, Azit Singh & Krishanpal, Slo Sri Kalu Singh, Kastla Shamsher Nagar, Meerut. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agriculture Land at Kastla Shamsher Nagar, Moerut.

Date . 26-11-84

الراحية بمراجي المستخدم المستخدم

SEAL

*Strike off where not applicable,

निदेश नं. एम-652/84-85.—मतः मुझे जे.पी. हिलोरी, ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उपत ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 1,00,000 रु० से भ्रधिक है और जिसकी सं० 231/34 है। तथा जो राजनगर, गायिजाबाद में स्थित है (श्रीर इसपे उपावत अनुपूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्राटिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 21-3-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है अन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (ग्रन्तरियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त भ्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय श्राय कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

भ्रत: भ्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित ब्यवित्रयों, भ्रार्थान्:---

 श्री केदार नाथ द्यालन्द, पुल श्री राम लाल द्यानन्द, ए-32, कृष्णापुरी, मोदी नगर, जलालाबाद, जि. गाजियाबाद (ग्रन्तरिती) 2 श्रीमती कान्ता दत्ता पन्ती महेन्द्र प्रताप दत्ता 36-बी. श्रणोक विद्वार, दिल्ली-52 (श्रात्रक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू कण्ता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
 - (ख) इस सूचाा के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आवक्तर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

231/34, राजनगर, गाजियाबाद

तारीख 26-11-84

मोहर

*जो लाग् न हो उसे काट दीजिए।

M-652|84-85.—Whereas, I, J. being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable prope ty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. R-3|34, situated at Raj Nagar Ghaziabad (and morefully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 21501 dated 24-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. S'wi Kedar Nath Anand S/o Shri Ram Lal Anand A-32, Krishan pur, Modi Nagar, Jalah bad, Distt. Ghaziabad. (Transferee)
- 2. Smt. Kanta Dutta W/o Mahendra Pratap Dutta, 36-B, Ashok Bihar, Delhi-52. (Transforon)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at Raj Nagar, Ghaziabad.

Date: 26-9-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं एम 646/84-85---- श्रतः मुझे जेः पीः हिलोरी, ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विण्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मु**ल्य 1,00,000/-रु से श्राधिक है और जिसकी सं में स्थित है (और इससे जगाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्टी-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नोएड। में, रजिस्टीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 19-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पुर्वोक्त सम्पत्ति ना उचित बाजार, मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से. ऐसे वृश्यमान प्रतिफ़ल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रनारियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ़ल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तियक रूप से कथित नही किया गया है।

(क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन - === ---

कर देने के शन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुधिया के लिए और/मा

(ख) ऐसे निका प्राय या किसी घा या पत्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रीयितियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा विका जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

श्रतः श्रव उक्त श्रीधिनियम की धारा 269 ग के अन्-सरणभें, मैं उक्त श्रीधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधोन, निम्नोलखिन व्यक्तियों अर्थात :--

- श्री धनश्याम दास सुपुत्र सूरजभान, 2083/162, विनगर, दिल्ली-55 (ग्रन्तरक)
- र्म० क्वालिटी लेमीनेटर्स प्रा० लि०, द्वारा श्री जित्रय डालिमया, 6 क्लाइव रो, कलकत्ता (ग्रन्तरिनी)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भो अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति
 में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध फिनी अन्य ठाक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्राध-कर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ब्रध्याय 20क में परिपापित है, दही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिशा गया है।

प्रनुसूची

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लाग न हो उसे काट दीजिए।

tered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Noida under registration No. 47273 dated 19-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Ghanshyam Dass, So Suraj Bhan, Ro 2083 162, Tri Nagar, Delhi-55.

(Transferor)

2. M|s. Quality Laminator's (P) Ltd. through Shri Vijay Dalmia 6, Clive Row, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Date: 26-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं० एम-681/84-85. — ग्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी, ग्रायकर ग्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ से ग्रधिक है और जिसकी

सं० है सथा जो मुकराब पुर, सरधना में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वांणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 13-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिणत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से शियत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव युक्त श्रधिनियम की धारा 269ण के धनु-सरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269ल की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—→

 श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री प्यारे राम, या. एवं पोस्ट, पथौली पर० सरधना, जि. मेरठ

मन्तरक

अन्तरिसी

 श्रीमती इन्द्रा पत्नी डा. श्रवधनाल सिंह, ग्राम एवं पोस्ट सिवाय, जमाल उल्लापुर, प. दौराला, सरधना,

जिल मेरठ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के हारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं धर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट सुकरमपाल ग्राम, मुकरबपुर, परगना—दौराला, तह. सरधना, जिला. मेरठ

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जौ साग् न हो उसे काट दीजिए ।

M-681 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No..... situated at Mukrabpur Sardhana (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut, under registration No. 1187 dated 13-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- Shri Harpal Singh S/o Sri Pyare Ram Vill. & P.O. Patholi, Par. & Teh. Sardhana, Distt. Meerut. (Transferor)
- Smt. Indra W/o Dr. Awadhpal Singh, Vill. & P.O. Sivaya Jamaullapur, Teh. Sardhans, Distt. Meerut. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Vill. Mukarbpur Palahda Par. Doraola Teh. Sardhana, Distt. Meerut.

Date: 26-11-84

SEAL.

*Strike off where not applicable.

कानपुर, 27 नवम्बर, 1984

निर्देश नं. के-33/84-85.--भ्रतः मुझे जे. पी. हिलोगी, ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम ' कहा गया है) की धारा 269 ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- से श्रधिक है और जिसको सब 128/एच-2/39 है तथा जो किदबाई नगर, कानपूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ष्यधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन तारीख 2-3-84 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दश्य-मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ।पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) **श्रौर श्र**न्तरिती (श्रन्तरियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त श्रन्तरण, निखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किमी भाय की बावत, आयकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव युक्त श्रिधिनियम की धारा 269ग के श्रनु-सरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:—

 श्रीमती सुमन देवी मिश्रा, पत्नी स्व. विजयश कर मिश्रा, निवासी 50/58 माधो टोली, कानपुर (श्रन्तरक) श्री योगेन्त्र कुमार भसीन, 128/एच-2/39, किदवाई नगर, कानपुर (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हूं। उका सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की श्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थ वर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रौर पदों का, जो श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसुची

मं. नं. 128/एच-2/39, किदबाई नगर, कानपुर

तारीख: 27-11-84

मोहरः

*जो लाग् न हो उसे काट दीजिए।

Kanpur, the 27th November, 1984

K-33|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, the Competent Authority authorised by Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 128 H-2|39 situated at Kidwai Nagar Kanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 4478 dated 2-3-84 for an apparent consideration which is less than the 'air market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Smt. Suman Devi Mishra, W/o Late Vijay Shanker Mishra, 50/58 Madho Toli, Kanpur, (Transferor)
- Shri Yogendra Kumar Bhasin, 128/H-2/39 Kidwai Nagar, Kanpur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

128/H-2/39 Kidwai Nagar, Kanpur.

Date: 27-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के-39/84-85.--अप्तः मुझे जे. ,पी. हिलोरी, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- से अधिक है श्रीर जिसको सं०124/674-बी, है तथा जो गोविन्द नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कायलिय कानपूर में. र्राजस्दीकरण को के अग्रधीन श्रधिनियम, 1908 (1908 जा 16) तारीख 5-3-84 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है घन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर घन्तरिती (घन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्यों में युक्त श्रन्तरण, लिखिन मे वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः अब मुक्त अधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ख की उप धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:--

- श्री केवल किशोर पान्डे, पुत्त श्री प्रभू णंकर पांडे, नि. ग्रा, नवली, पर०—श्रीरेथा, जिला इटावा हाल नि. 124/674-बी, ब्लाक बी, गोबिन्द नगर, कानपुर (श्रन्तरक)
- श्री सदाणिव शर्मा, श्रात्मज, श्री विन्देश्वरी प्रसाद शर्मा, निवासी बंगला नं. 14 बी, नार्दन रेलवे लोको गेड, रेल बाजार, कानपुर (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पद्यों का, जो ग्राय-कर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मं. नं. 124/674-ओ, ब्लाक गोबिन्द नगर, कानपूर

तारीख: 27-11-84

मोहर:

*जो लागु न हो उसे काट दीजिए।

K-39|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No. 124|674 situated at 124|674 B-Block Govind Nagar,

Kanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 4669 dated 5-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Kewal Kishore Pandey, S/o Prabhu Shanker Pandey, 124/674-B Govind Nagar, Kanpur (Transferor)
- Shri Sadashiv Sharma S/o Shri Bindeshwori Pd. Sharma, 14-A, Northern Railway Loco Shed, Rail Bazar, Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazettee or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

124|674 B-Block, Govind Nagar, Kanpur.

Date: 27-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के-40/84-85 — ग्रतः मुझे जे. पी. हिसीरी, आयकर अधिनियम 1561 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहु मया है) की धारा 209-ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 1,00,000/से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जां में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में
रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
आधीन तारीख 6-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूह्य से कम से कम बुण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उसके दुश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक
है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाथित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः धव युक्त श्रिधिनियम की धारा 269ग के श्रमुसरण मे मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269ख की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत :---

- श्री लक्ष्मण प्रसाद, भ्रग्नवाल ट्रस्ट
 35/55, खास बाजार द्वारा श्री भ्रानन्द कुमार
 भ्रग्नवाल, पुल राम लाल श्रग्नवाल, 36/88 बंगाली
 मोहाल, कानपुर (श्रन्तरक)
 - श्रीमती बीना देवी, पत्नी नरेन्द्र कुमार म्रादि नि. 24/43 बिरहाना रोड, कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील 30 दिन की अविधि जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य न्यक्ति द्वांरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इनमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यान 20-स में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुपुर्वा

तारीख 27-11-84

मोहर

*जो साम् न हो उसे काट दीजिए।

K-40|84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at...... (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5275 dated 6-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Laxman Pd. Agrawal Trust Through Anand Kumar Agrawal So Ram Lal Agrawal, 36/88 Bangali Mohal, Kanpur (Transferor)
- 2. Smt. Veena Devi Wo. Narender Kumar, 24 43, Birhana Road, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Date: 27-11-84

Seal

*Strike off where not applicable.

निदेण नं. के-45/84-85---- प्रतः मैं जे. पी. हिलोरी, आयार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के (जिसे इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विख्वास करने का कारण है ि स्थावर समाति जिसका उतित बाजार मृत्य 25,000/-से अधिक है और जिसकी सं० 55/51 है तथा जो जनरल गंज, कानपुर में स्थित है (ओर इसने उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-3-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुग्धमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिसत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के निए और/पा
- (ख) ऐने किसी आज या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आजकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था आपकर अधिनियम 1961 (1961का 43) था धन-कर अधिनियम 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रशट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिया के लिए

अतः अत्र उक्त अधिनितम की धारा 269-ग के अनुमरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियो अर्थान्:--

 श्री विजय कुमार केडिया पुत्र स्व. जीवन राम, श्रीमती रुकमणी देवी पत्नी विजय कुमार, निवासी 49/48 जनरल गंजा, कानपुर (ग्रान्तरक) मैं सागर मन बनारमी दास, 58/47, बिरहाना रोड, कानपुर

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रभागन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की नामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, मीतर के पूर्वीक्त बाक्तियों में में किसी ब्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास जिखित में किए जा सकींगे?

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जा आयकर अधिनिथम 1961 (1961 का 43) क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ हागा जो उस अध्यान में दिया गया है। अनुसूची

म. नं. 55/51, जनरल गज, कानपुर

तारीख 27-11-84

मोहर:

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

K-45|84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovablee property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 55|51 situated at G-Ganj, Kanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 6864 dated 31-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer and lot;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Vijai Kumar Kedia Slo Jiwan Ram Rukmini Devi Wlo Vijai Kumar 49|48, General Ganj, Kanpur (Transferor)
- 2. Mls. Sagarmal Banarasi Dass 54|47, Birhana Road, Kaupur (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

55/51, General Ganj Kanpur.

Date: 27-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के-46/84-85 -- भ्रत मझे हे. हिलोरी, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास बारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25000/- मे ग्रिधिक है भीर जिसकी सं. 12/एम 508/7 है तथा जो जहीं कथा, कानपुर में स्थित है (भ्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से घर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्टी-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख 15-3-85 को पूर्वीका सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भ्रन्तरक (श्रन्तरकों) स्रार श्रन्तरिती (श्रन्तरेयां) कै बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्या से युवन अन्तरण, लिखित में वास्तायक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रस्तरण में हुई किमी श्राय की वावत, श्रायकः श्रीधित्यम, 1961 (1961 का 43) के अश्रीत नर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कभी वारने या उसमें बचने में श्रुविशा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर श्रधित्यम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रधित्यम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चिहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भ्रतः श्रव युक्त श्रिधिनियम की धःरा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत् :—

- मानिती देवी वेवा श्री रुपचन्द, निवासी 111-ए/106, ग्रशोक नगर, कानपुर श्रादि (ग्रन्सरक)
- श्री विनोद कुमार भाटिया.
 पुत्र श्री करम सिंह भाटिया
 सं. 126/बी/71, गोविन्द नगर.
 कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस मूजना के राजपत्र मे प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमे प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्र**नु**सूची

म न 1.27/5 ब्लाक 508/7 शुहै। केना, कानपुर तारीख: 27-11-84

मोहरः

*जो लागू र हो उसे काट दीजिए ।

K-46|84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of

the Income tax Act, 1961 (45 of 1961), hereinafter reterred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 127|5 Block 508|7 Juhi Kala Kanpur (and morce fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5312 dated 15-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfeer with the object of:

- (a) facilitating the acduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Savitri Devi W/o'Roop Chand 111 A/106
 Ashok Nagar, Kanpur. (Transferor)
- 2. Shri Vinod Kumar Bhatia Slo Karam Singh Bhatia 126|B|71 Govind Nagar Kanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazettee or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

127|5 Block|508 7 Juhi Kalan, Kanpur.

Date: 27-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. के-57/84-85------ प्रतः भृज्ञे जे. पी. हिलोरी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन संबम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25000/- मे श्रिधिक है श्रीर जिस्की सं. 111/60 है तथा जो अशोक नगर, कानपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में फ्रांर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, राजस्द्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है स्रीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुग्धमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुिबधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्त्रियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविद्या के लिए

अतः भव युक्त अधिनियम की धारा 260ा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथति :--

 श्री मान सिंह मेठी ग्रात्मज सरहार जोधसिंह सेठी,

111/60, अणोक नगर, कानपुर (अन्तरक)

 श्री अगदीश सदीजा पुत्र सोरुमल श्रीमती मीरादेवी पत्नी मनोहर लाल, निवासी 75 सी. विवेकानन्द रोड़, कलकत्ता (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्न सम्पत्ति के

श्चर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख के
45 दन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रक्षोहरनाकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त भव्वों ग्रौर पदों का, जो ग्र कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मं. न. 111/60, द्यशोक नागर, कानपुर

तारीख: 27-11-84

मोहर:

*अर्जे लागून हो उसे काट दीजिए।

K-57|84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 111|60 situated at Ashok Nagar Kan. (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5279 dated 15-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Mansingh S/o S. Jodh Singh Sethi 111/60 Ashok Nagar Kanpur (Transferor)
- Shri Jagdish Sadiza S/o Sorumal Smt. Meera Devi W/o Manohar Lal 75-C Vivokenand Rd. Calcutta (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or

a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

H. No. 111/60 Ashok Nagar Kanpur.

Date: 27-11-84

Seal

*Strike off where not applicable.

निदेश नं ० ए-284/84-85 -- अतः मुझे जे०पी० हिलोरी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम ' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-से अधिक है और जिसकी सं० 457, 458, 459 है तथा जो गंगीरी में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भातरौली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे कह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्नरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनु-सर्ण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269ग की उपधारा 1202 GI/84--7

- (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---
 - श्री रनिसह, जीवन सिंह, गिंगपाल सिंह, पुत्रगण इनामी सिंह नि. वा. हातिमपुर, पा. गिंकारपुर, तह. जिला श्रनीगढ़ (अन्तरक)
- 2. रामाधीन पुत्र कन्ही जाहर पुत्र रामाधीन, ग्राम उवरा, जि. मथुरा (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्थवाहया शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितंबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खमरा न ० 457,458, मौजा नरकन, पर. गगीरी तह. श्रतरौली, जिला श्रलीगढ़ तारीख: मोहर:

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

A-284|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. 457, 458 situateed at Gangiri (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Atrauli under registration No. 1079 dated for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not

been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Ram Singh Jeevan Singh, Shashi Pal Singh S/o Inami Singh, R/o Vill. Hatimpur Post Sikarpur Distt. Aligarh (Transferor)
- Shri Ramadheen, S/o Kanhi, Jawaher S/o Ramadheen, R/o Vill Ubra Distt. Mathura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khasra No. 457, 458 at Maujei Narkam, Per Gengin Teh. Atrauli Distt. Aligarh.

Date 27-11 84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश सं० ए-448/84-85 .--अतः मुझे जे०पी० हिलोरी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जनकपुरी भ्रालीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय असीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-3-84 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के छचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखिस में वारतिक रूप से कथित नहीं किया गर्या है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्थ कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति श्री की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192! (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग को उन्हारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- हरी क्रोम गुप्ता पुक्र स्वर्गीय श्री नेसीचन्द्र,
 गुप्ता नि. सराय पुख्ता, अलीगढ बहुँ सियत
 मुख्तार आम श्री प्रताप सिंह पुत्र मुवर प्रताप
 भान सिंह निवासी मोन् विबलाजेले राड, श्रालीगढ़
 (अन्तरक)
- 2. श्रीमती अनुराधा गुप्ता पत्नी श्री बैजनाय गुप्ता नि. 192, सराय पुख्ता, अलीगढ़

को यह सूचना, जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्गन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त सम्पक्ति के अर्गन के सबंध में कोई भी आभीप:---

- (क) इस सूचमा के राजपत में प्रकाशन को नारीख़ से 45 दिन की अविक्ष, या तर्सवंधो व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हितसद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पव्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची :---

·लाट स्थित जनकपुरी श्रलीगढ़

मारोख: 27-9-84

मोहर:

*जो लागून हो उसे काट वीजिए।

जं० पी०

A-448 84-85.—Where as, 1, J. Hilori being the Competent Authority authorised by Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot situated at Janak puri, Aligath in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under (and more fully described registration No. 2053 dated 12-3-84 for an apparent gonsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Hari Om Gupta, S|o Late Shri Nemi Chand Gupta R|o Sarai Pukhta, Aliagrh via Mukhtasr Aam Shri Pratap Singh R|o Monu Villi Jail Road. Aligarh (Transferor)
- Smt. Anuradha Gupta Wlo Shri Baij Nath Gupta Rlo 193, Sarai Pukhta, Aligarh (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot at Janakpuri, Aligarh.

Date: 27-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000- से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० खेत है तथा जो इटावा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इटावा में, रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन नारीख 1-3-1384 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित मुल्य , उसके दृश्यमान प्रतिकल ऐसे, से दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिणत से भ्रधिक है भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दुण्यों से युक्त ग्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है। (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, श्रायकर

(जिसे इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961(1961 का 43)

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 48) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दौयित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिये शौर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922का 11) या श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था. छिपाने में मुक्षिधा के लिये

श्रत श्रव युक्त अधिनियम की धारा 269 के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269 की उप-धारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत् —

- थी डा. गौर हिंग मिहिनिया पुत्र स्व० पदमपत मिहानिया नि. गंगाकुटी, कानपुर (श्रन्तरक)
- श्री राजेन्द्र कुमार व वीरेन्द्र कुमार व रिवशंकर व श्रामप्रकाश नि. कटरा कपूर चन्द, पुर्विया टोला, इटावा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिय्ने कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप .—

(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति के द्वारा (ख) इस सूचना के राजपल मे प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकगे।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त गव्दों ग्रीर पदों का जो आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेत स्थित इटावा

तारीख: 27-11-84

मोहर:

*जो लाग् न हो उसे काट दीजिए।

A318/84-85. Where as, I J.P. Hilori being the authorised by Authority Competent Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Agr. Land situated at Etawah (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etawaha under registration No. 839 dated 1-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated In the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Dr. Gaur Hari Singhania S/o Late Padampat Singhania, Ganga Kutir, Kanpur. (Transferor)
- Shri Rajendra Kumar & Virendra Kumar, & Ravi Shanker & Om Prakash, R/o Katra Kapoor Chand, Purbiya Tola, Etawah (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or

- a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same nteaming as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agrl. Land at Etawah.

Date: 27-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. ए- 439/84-85:-- श्रतः मुझे जे. पी. हिसोरी, श्रायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- से श्रीधक है श्रीर जिसकी सं. (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भ्रजीगढ़ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-3-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है धन्तरक (भ्रन्तरको) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्यों से यक्त भ्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव युक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो श्रथीत्:---

- श्री पुरवात्तम दाम, श्री हरीश चन्द्र, श्री लिलित मोहन, ग्रादि नि० द्वारिका पुरी, ग्रेनीगढ (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रधुवीर महाय, श्री मत्य भान जी, श्रीमर्ता शान्ती देवी, प्रभा सक्तीना, मार्फत उमेग चन्त्र पुत श्री रमेण दत्ता, श्रंडा चीक श्रातीगढ (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षिय: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पांत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ध्रायकर श्रधितियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पर्तनाषित है, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तारीखाः 27-11-84

मोहर:

*जो लागू न हुो उसे काट दीजिए ।

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Purushottam Dass, Harish Chandra & Lalit Mohan, R/o Dwarkapuri, Aligath.

 (Transferor)
- 2. Shri Raghubir Sahai, Satya Bhanji Shanti Devi, Prabha Saxena, c'o Ramesh Dutt, Ghanta Chowk, Aligarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Date: 27-11-84

SEAL

*Strike off where not applicable,

हिलं री, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के स्नाधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 रु० मे श्रिधक है और जिसकी सं. 8 / 259 है तथा जो शिवपुरी अप्रतीगढ में स्थित है (ग्रॉंर इमसे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्टी-करण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 9-3-84 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ(पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है अन्तरक (अन्तरको) भ्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यो से युक्त अन्तरण, लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त अधिनियमकी धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त श्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातः :---

- श्री उदय चन्द शर्मा, पुत्र श्री तोताराम शर्मा नि. शिवपुरी, ग्रालीगढ़ हाल निवासी, रामसागर मिश्रा नगर लखनऊ (ग्रान्तरक)
- 2. श्रीमित मयुरा देवी, पत्नी राम लाल, व श्रीमिती विद्या देवी पत्नी डोरीलाल नि० शिवपुरी, अतीगढ़ व श्रीमिती शकुन्तला देवी पत्नी निरजंन लाल नि. हरीग्राम नगर, मलीगढ़ (मन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:——

- (क) इस मूचना के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8/259 मिवपुरी भ्रानीगढ़

सःरीख :27-11-84

मोहरः

*जो लागुन हो उसे काट दीिषए।

No. A-436|84-35.--Whereas, I J.P.Hilori being the Competent Authority authorised by the Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 8|259 situated at Shivpuri, Aligara (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 1989 dated 9-3-84 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth--tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Udai Chand Sharma, S/o Tota Ram Sharma, Present Address, Ram Sagar Mishra Nagar,, Lucknow. (Transferor)
- 2. Smt. Mathura Devi W/o Ramlal Smt. Vidya Devi W/o Dori Lal, Hari Om! Nagar, Aligath. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

8/259 Shivpuri, Aligarh.

Date: 27-11-84

SEAL:

*Strike off where not applicable.

, _ L, ^- ^ ~ ~ (= L *c *, ** निदेण नं० ए-435/84-85 .--अत., मञ्जे, जे० पी० हिलोरो, आयगर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी की यह विष्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसको सं० 2012 काउरी है तथा जो जेल रोड़, भलीगढ़ में स्थित है (और इससे उराबद अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय श्रलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 9-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुण्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुंखें यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल की पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अपसे बचने में मुविबा के लिए और, या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

अत., अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-भारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उर-भारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- कर्नल एम. ताजउदीन पुत्र माहस्मद, नूकदीन, निवासी कोठो मेन्स, निकी रेलवे क्रांसिंग, नुमाइण रोड, श्रतीगढ़ (ग्रन्तरक)
- 2. महीपाल सिंह पुत्र श्रो दीप सिंह, नि० पालीरजा पुर तहमील कोल, जि. श्रतीगढ़ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख मे 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा, (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अब्रोहस्नाक्षरी के पास निख्यित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- -इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उका अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूची

कांठरी मय श्रारजी, स्थित जेल राड, श्रलीगढ़।

तारो**ख**: 27-11-84

माहर:

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

A-435/84-85.—Whereas, I J.P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Kothari situated at Jail Road, Aligarh (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under Registration No.2012 dated 9-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Col. M. Tazuddin S/o Md. Nuruddin, R/o Kothi Mens, Near Railway Crossing, Numaish Rd., Aligarh (Transferor)
- 2. Shri Mahipal Singh S/o Deep Singh, R/o Pali Razapur, Teh., Kol, Distt. Aligarh (Transferee)

- = = - - - - - - - - - - - - -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Kothari with Araji situated at Jail Road, Aligarh.

Date: 27-11-84

SEAL:

*Strike off where not applicable.

निदेश नं० ए-449/84-85 .--**अ**तः जे०पी० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269 ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य म० 1,00,000 से अधिक है और जिसकी है तथा जो अगोला पाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय प्रलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के इचित बाजार भ्रूट्य प्रतिफल के लिए अन्तरित की कम केदण्यमान गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्त-लिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधि-नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो

द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत., अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- श्रीमतो रिजया खुर्शीद बेवा, सहाव जादा खुर्वीद, श्रहमद खां, सा. श्राफनाव मंजिल, श्रलीगढ़, (अन्तरक)
- 2. श्रीमतो साजदा क्षेगम पत्नी हाफिज उल्ला खां, श्रादि, नि. भ्रानूप शहर राष्ट्र जमासपुर, धनीयढ (भ्रान्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्धे में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ⊈5 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारींख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स्थित श्रंगोला पाली, तह. कोल, जिला श्रलीगढ़।

तारीख: 27-11-84

मोहर:

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

Ref No. A-499|84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No Plot situated at Angola Pali (and more fully described in the Schedule below) has been

transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 2183 dated 20-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Smt. Rajia Khursheed Vaano W/o Salibjada Khursheed, Ahmad Khan, R/o Aftab Manzil Aligarh. (Transeror)
- 2. Smt. Sazda Begam W/o Hafiz Ullah Klan etc. R/o Anup Saher Road, Jamalpur Aligarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land at Amgdapally, Ich. Kal Disit. Aligarh.

Date: 27-11-84

SEAL:

*Strike off where not applicable.

निदेश सं. ए-434/84-85. --- अतः मुझे जं०पी^{*}० हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) का धारा 269-ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मृत्य 1,00,000/- से अधिक है और जिलाकी सं. कोठो है तथा जो जेलराड श्रनीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भ्रालीगढ़ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 9-3-84 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से यक्त अन्तरण, निखित में यास्तियक रूप से कथिन नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब युक्त अधिनियम की भारा 269 म के अनुसरण में, मैं प्रक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- कर्नल एम० ताजहीन सुपत्र माहष्मद नूरूहीत.
 नि०--कोठी मोना, तिकट रेलवे कार्मिम, नुमाईस रोड, अनी क्र (अन्तरक)
- श्रीमती राजवाला सिंह पत्नी युवराज सिंह व श्रीमती बीन निंह पनो डा ए पी. सिंह, व श्रीसती, श्रीनवा हिंह पत्ना शैलेन्द्र पाल सिंह नि॰—पाली रजापुर तह कान, जिला श्रीतिगढ़ (श्रन्त(रती))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी
 के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गव्दों और पदों का, जो शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कोठी स्थित जेल रोड श्रलीगढ़

सारीख: 27-11-1984.

मोहर:

*जो लागू र हो उसे काट दीजिए।

PR No. A-434/84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. situated at Kothi Jail Road (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 2015 dated 9-3-84 for an apparent consideration which is less than the fare

market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly dated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Col. M. Tujuddin S/o Mohamad Nooruddin R/o Koba Mens, Near Railway crossing Numbish Road, Aligarh (Transferor)
- 2. Smt. Raj Bale Sinch W/o Yuvraj Singh, Smt. Veena Singh W/o Dr. A.P. Singh R/o Pali rajapur, Teh. Kol Distt. Aligarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Kothi at Jail Road Aligarh.

Date: 27-11-84.

SEAL.

*Strike off where not applicable.

कानप्र, 26 नवम्बर, 1984

निदेश नं. एम 523 / 84-85 - ग्रनः मुझे जे. पी. हिलोरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 व के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं. 716 है तथा जो काबबात में स्थित है (और इससे उपा- बद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकरी अधिकारी के कार्यालय कैराना में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख 2-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरमों) और अन्तरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित अद्ध्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुर्विधा के लिए:

अतः अब युक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान्:—

श्री जहाना पुत्र जीत सिंह जाट ,
 नि. कावडोत, प्रा. गाभलो, कराना,
 जि. मुजक्कर नगर, (श्रानरक)

श्री अम्ह पाल सिंह पुत्र प्यारे लाल जाट,
 नि. कावडोत, प्र. शामली, कैराना
 जि. मुजक्फर नगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भो आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर
 सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में

हिनबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त ग्रब्दों और पदों का, जो आय-कर अधितियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क्र में परिभाषित है, वहो अर्थ होना जा उस अध्याय में विया गया है। अनसुची

खाला नं. 716 स्थित काबडात मु. नगर

तारीख: 26-11-84.

मोहर:

*जो लागुन हो उसे काट दीजिए।

Kanpur, the 26th November, 1984

M-523/84-85. Whereas, I J.P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding R:, 1,00,000 and bearing 716 situa.ed at Kobdote (and more fully No. described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana under registration No. 1227 dated 2-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncy or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Jahan S/o Jeet Singh Jet, R/o Kabdot, Pargana Shamli, Keirane, Distt. Muzaffer Nagar. (Transferor)
- Shri Braham Pal Singh S/o Peyaraylal Jat,
 R/o Kabdot, Pargana Shamli, Kairana
 Distt. Muzaffer Nagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45_days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used hereiu as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Khata No. 716, Village Kabdot, Muzaffernagar.

Date: 26-11-84,

SEAL:

*Strike off where not applicable.

निदेश नं० एम-- 555/84-85:--- ग्रतः सुझे जे. पी. हीलोरी, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रक्षिनिधम' कहा गया है) की घारा 269-ख के ग्रंथीन संभम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 र०से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं. 235 है तथ। जो डैम्पियर नगर में स्थित है (मीर इसते उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीज 1-3-34 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्रविक है ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त भ्रन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसवे बचों में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर भ्राधिनियम, 1922

(1922 का 11) या आयकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए थ', छिपाने में सुविधा के लिए:

धाः प्रव युक्त शिंघनियम की धरा 269-ग के धनु-सरण में, मैं उक्त श्रिधनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थातु:--

- 1. सुरेश चन्द शर्मा पुत्र गोपाल चन्द नि० 57-ए राज पुर रोड वेहरादून (ग्रन्तरक)
- राजीय बंसल, राजेश बंसल पुत्र रूपिकशोर बंसल नि. डैम्पियर नगर, मथुरा (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि, या सत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की सामील 30 की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोस्हताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पवों का, जो भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्थ होंगा जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

धनुसुची

80 डैम्पियर नगर, मधुरा

तारीख: 26-11-84

मोहर:

"ओ लाग् न हो उसे काट दीजिए।

M-555/84-85. Whereas, I J.P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 80 situated at Daimpear Nagar (and more fully described

in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 235 dated 1-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Suresh Chand Sharma, S/o Gopal Chand, R/o 57-A Rajpur Road, Dehradun (Transferor)
- 2. Shri Rajeev Bansal, Rajesh Bansal, S/o Roop Kishore Bansal R/o Daimpear Nagar, Mathura (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

84 Daimpear Nagar, Mathura.

Date:: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable,

निदेश नं. एम- 554/84-85:-- अतः मुझे, जे. पी. हीलोरी, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं. 80 है तथा जो डेम्पोधर नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 1-3-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमार प्रतिफल के लिए ग्रन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से दुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लए।

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रशीत् :—

- सुरेण चन्द मर्मा, पुत्र गोपालवन्द
 नि. 57ए, राजपुर रोड,
 देहराद्वन ।
 (भ्रन्तरक)
- श्री राजीव बंसल व रमेश बंसल
 पुत्र रूपिकशार बंसल
 नि. डेम्पियर नगर, मथुरा (अन्तरिती)
 को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा। (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीखा व के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किएंजा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो ग्रायकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० नं० 80 डेम्पोधर नगर, मयुरा

जारीखं : 26-11-84

मोहर:

* जो लागून हो उसे काट दीजिए।

M-554/84-85.—Whereas, I J.P. Hilmi, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 80 situated Dempear Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registered Officer at Delhi, under Registration No. 334 dated 1-3-84 for an apparent cosideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and ransfefrec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Suresh Chand Sharma, S/o Gopal Chand, R/o 57-A Rajpur Road, Dehradun (Transferor)
- 2. Shri Rajeev Bansal, Ramesh Bansal, S/o Roop Kishere Bansal, R/o Dempear Nagar Mathura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No 80, Dempear Nagar, Mathura.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निदेश ने. ्रम— 581/84-85---प्रतः म्झे, जे. पी. हिलोरी, भ्रायकर ग्रधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात् 'उक्त श्राधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रयीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास इरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से श्रविक है और जिसकी सं. 80 है तथा जो डैम्मियर नगर में स्थित है (और इसमे उप बढ़ ग्रन्सूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहली में, रजिस्टी-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रजीन तारीख 1-3-84 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यधान प्रतिफल के लिए अन्तरिं की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यम न प्रतिकल से, ऐसे दुप्यमःन प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्राधिक है अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त श्रन्तरण, लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, भ्रायकर ग्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अंतरक के दायित्व मे कवी करने या उससे बचने में धुविधा के लिए;और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किनी अन या आन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अत्र उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :---

- श्री पुरेण चन्द्र समी पुत्र गोतान चन्द्र समी निवासी 57-ए, राजपुर रोड, देहर पूत (श्रन्तरक)
- 2. श्री राजीव बंनल व राजेग बन्नल,
 पुत श्री का कियार बंसल,
 तवासी डैस्सबर नगर, मनुरा। (अनिरिता)
 को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन
 के लिए बार्यवाहियां मुळ करना हूं। उक्त सम्पत्ति
 के श्रेजीन के सम्बन्ध में कीई भी श्राक्षेप:——
 - (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख़ से 45 दिन की स्रविध, या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्रविध, जो भी स्रविध बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की गर्नात के 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीवारण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो दा, जो ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुमूची

80 डैम्पियर नगर, मथुरा।

तारीख: 26-11-84

मोहर:

*जो लागू र हो उसे काट दीजिए।

Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair maket value exceding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 80 situated at Daimpear Nagar, (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 236 dated 1-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprty by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for

such transfer as agreed to between the transfer(s) and

transferee(s) has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of:

M-581 84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have

not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the salu Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Suresh Chand Sharma S|o Gopal Chand Sharma R|o 57-A Rajpur Road, Dehradun.

(Transferor)

2. Shri Rajeev Basan, Rajesh Bansal Slo. Roop Kishore Bansal Rlo. Daimpear Nagar, Mathura. (Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by an soft the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

80 Daimpear Nagar Mathura.

Date: 26-11-84.

SEAL .

*Strike off where not applicable.

निदेश नं. एम-582/84-85: -- अतः मृझे, जे. पी. हीलोरी, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000 से म्रधिक है और जिसकी मं० 80 है तथा जो डैम्पियर नगर मथुरा में, स्थित है और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 1-3-84 की पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के बुश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है अंतरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकुल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त भ्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रवीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कृशी बार्श या उससे बचने में मुविधा के लिए और/मा
- (ख) ऐसे किसी प्राय या किसी घन या प्रान्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रधिनियम, 1961 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयीत्:---

- श्री मुरेशवंद सर्मा पुत्र गोपाल चंद
 ति० 57-१ राजपुर रोड, देहराडून । (मन्तरक)
- 2. श्री राजीव बंसल व राजेश बंशल पुत्र रूप किशोर वंसल

नि. डैम्पियर नगर मथुरा। (ग्रन्तरिती) को यह सूखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप: --

- (क्ष) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त मान्दीं और पदों का, जो घायकर भावित्यम, 1961 (1961 का 43) के भाव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

म.नं. 80, स्थितं उँम्पियर नगर। सथुरा का पूरा भाग।

> जे.पी. हिलोरी कारकार जिल्ला

सहायक भायकर झःयुक्त, निरीक्षण,

तारीख: 26-11-34

ग्राजीन रेंज, कानपुर।

मोहर:

*जो लाग् न हो उसे काट दीजिए।

M-582|84-85.—Whereas, I, J. P. Hilori, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter

referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 80 situated at Daimpear Nagar, Mathura, (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 237 dated 1-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferoi(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 2. Shri Rajiv Bansal & Rajesh Bansal, S|o Shri Rup Kishore Bansal R|o Daimpear Nagar, (Transferor)
- 2. Shri Rajiv Bansal & Rajish Bansal, S/o Shri Rup Kishore Bansal R/o Daimpier Nagar, Mathura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a perod of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used here-'in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House at 80, Dempier Nagar, Mathura.

J. P. HILORI, Competent Authority (Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax) (Acquisition Range, Kanpur.

Date: 26-11-84.

SEAL

*Strike off where not applicable.